Scheduled Castes and Scheduled Tribes Graduates Registered in Delhi for the Posts of Trained Graduate Teachers and Post-Graduate Teachers

7799. SHRI AMBESH: Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) the number of Scheduled Castes and Scheduled Tribes trained graduates registered in Delhi for the post of Trained Graduate Teachers ; and

(b) the number of Scheduled Castes and Scheduled Tribes post-Graduates registered in Delhi for the post of post-Graduate Teachers, subject-wise ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R. K. KHADILKAR) : (a) and (b).

Category of Teachers	Number on Live Register of Employment Exchanges in Delhi as on 30th June, 1971	
	Scheduled Castes	Scheduled Tribes
1	2	3
1. Trained Graduate Teachers	32	—
2. Post-Graduate Teachers Total :	28	—
(i) Economics	9	—
(ii) Political Science	6	—
(iii) English	3	—
(iv) Hindi	3	—
(v) Sociology	2	—
(vi) Mathematics	1	—
(vii) Physics	1	—
(viii) Geography	1	—
(ix) History	1	—
(x) Sanskrit	1	—

महाराष्ट्र में वर्षा की कमी के कारण केन्द्रीय सहायता

7800. श्री ई० बी० विरवे पाटिल : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या महाराष्ट्र में गत दो वर्षों में वर्षा अत्यन्त अपर्याप्त रही थी जिसके कारण से महाराष्ट्र सरकार को इस संबंध में केन्द्रीय सरकार को एक योजना भेजनी पड़ी ;

(ख) यदि हां, तो महाराष्ट्र सरकार ने उक्त योजना के अधीन केन्द्रीय सरकार से क्या सहायता मांगी है ; और

(ग) केन्द्रीय सरकार ने उस योजना के अधीन महाराष्ट्र सरकार को अब तक कितनी धनराशि की मंजूरी दी है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे) : (क) महाराष्ट्र के कुछ भागों में पिछले वर्ष की रबी की फसलों और इस वर्ष की खरीफ की फसलों के लिए अपर्याप्त वर्षा हुई है। राज्य सरकार इस संबंध में केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट भेजती रही है और स्थिति का मुकाबला करने के लिए सहायता की मांग करती रही है। औरंगाबाद डिवीजन के पांच जिलों और शोलापुर तथा अहमद नगर जिलों और अन्य 6 जिलों के कुछ भागों में बहुत ही कम वर्षा होने के कारण अन्तिम अनुरोध 7 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त हुआ है।

(ख) केन्द्रीय सरकार इस मामले पर राज्य सरकार के साथ बराबर सम्पर्क बनाए हुए है और फरवरी, 1971 में स्थल पर स्थिति का अध्ययन करने और अपेक्षित केन्द्रीय सहायता की मात्रा का अन्दाजा लगाने के लिए एक दल भेजा था। दल ने जून, 1971 में फिर राज्य का दौरा किया था और बाद में 31 जुलाई, 1971 को राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया था। इन अध्ययनों के